भारतः एक उभरती शक्ति

Bharat Ek Ubharti Shakti

इक्कीसवीं सदी में भारत विश्व में एक शक्ति के रूप में उभर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में भारत तरक्की की नई ऊचाइयाँ छू रहा है। भारत में गर्व करने लायक बहुत कुछ है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हैरतअंगेज उपलब्धियाँ, अनिष्टकारी ताकतों से देश की सुरक्षा में लगी जाबांज फौज, कृषि में हरित क्रांति, फलता-फुलता स्वतंत्र मीडिया, मह्ान शैक्षणिक संस्थाएँ आदि। ये उपलब्धियाँ भारतीयता की भावना को बल प्रदान करते हुए मन में एहसास पैदा करती हैं कि 'अच्छे काम करो, अच्छा महसूस करो'। ये वे चीजें है जो हमारा सीना गर्व से चैड़ा कर देती हैं, आँखों में खुशी के आँसू तक छलका देती हैं। स्वतंत्र भारत की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं-

भारतीय सेनाएँ-कसौटियों पर परखी अपनी रक्षा सेनाओं पर किसी भी देश को गर्व होता है। भारत भी इसका अपवाद नहीं है। पाँच लाख से अधिक सैनिक जम्मू-कश्मीर के दुर्गम सियाचिन ग्लेशियर से लेकर गुजरात में कच्छ के रण में सर क्रीक तक फैले हुए हैं। तगडी फैज भले ही 10 लाख सैनिकों की हो लेकिन 80 के दशक से निरंतर सक्रियता सेना के लिए थका देने वाली बात है। चाहे कारगिल का आॅपरेशन विजय हो या पश्चिमी सीमाओं पर निरन्तर जारी आॅपरेशन पराक्रम, हमारी सेनाएँ देश की सीमाओं के बाहर और अंदर दुश्मन से निरन्तर मोर्चा ले रही हैं। थल सेना जम्मू-कश्मीर में आंतकवादियों से लड़ रही है तो वायु सेना घुसपैठियों से हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रही है और नौ सेना समुद्रवर्ती क्षेत्रों में देश के आर्थिक हितों की रक्षा में जुटी हुई है। 11 लाख से भी अधिक सैनिक की ताकत रखनेवाली भारतीय सेना चीन की सेना के बाद विश्व में सबसे बडी़ दूसरी सेना है। फिर भी इसने खुद को राजनिति से एकदम अलग-अलग रखा है।

अंतरिक्ष कार्यक्रम-अपने तीन दशक के अस्तित्व में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा एक दर्जन से अधिक आधुनिक उपग्रहों का निर्माण कर भारत को चुनिंदा देशों के अंतरिक्ष क्लब में शामिल कर दिया। इसकी शुरूआत 1975 में प्रचीन भारतीय खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम वाले उपग्रह के प्रक्षेपण से हुई। ये उपग्रह संचार, मौसम

का पूर्वानुमान, प्राकृतिका संसाधनों के नक्शे तैयार करने के मकसद से छोडे गए थे। संगठन ने इन्सेट (इंडियन सैटलाइट सिस्टम) को घर-घर में प्रचारित कर दिया। आज भी दूरसंचार और टी. वी. प्रसार का अधिकांश कार्य इन्सेट के जरिए ही हो रहा है और भारत के प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम को भी इसने गति दी है। अब वह ऐसे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए जरूरी विशालकाय राॅकेट बनाने में सक्षम हो गया है।

परमाणु शक्ति- आज भारत दुनिया का एक परमाणु शक्ति वाला देश बन गया है। 11 मई, 1998 को रक्षा अनुसंधान प्रमुख श्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (भूतपूर्व राष्ट्रपति) की अध्यक्षता में भारत ने तीन परमाणु विस्फोट किए। दुनिया और भारत का उदारपंथी खेमा भले ही बौखला उठा हो लेकिन इस टीम और उसके राजनैतिक आकाओं के लिए 1974 में किए गए परीक्षाओं की तरह यह परीक्षण प्रतिरोध शक्ति देने के अलावा आत्मविश्वास बढाने वाले थे। इनके चलते देश की छवि बदल गई।

भारतीय रेलवे- भारतीय रेलवे की 100,000 कि. मी. लंबी पटरियाँ 7,000 स्टेशन है, 300 रेलवे यार्ड हैं और वह रोजाना 11,000 ट्रेनें चलाती है और एक दिन में दस लाख यात्रियों का ढोती है। दुतिया की सबसे बडी रेल सुरंग, दुनिया में सबसे अधिक ऊचाई पर बना रेलवे स्टेशन, विश्व की दुसरी सबसे बडी रेलवे- भारतीय रेलवे की विशेषता है।